डाक पंजीयन क्रमांक - म.प्र./भोपाल/357/2021-23

मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

# मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

हिन्दी/पाक्षिक

प्रकाशन 1 दिसम्बर, 2023, डिस्पेच दिनांक 1 दिसम्बर, 2023

| वर्ष 67 | अंक 13 | भोपाल | 1 दिसम्बर, 2023 | पृष्ठ 8 | एक प्रति 7 रु. | वार्षिक शुल्क 150/- | आजीवन शुल्क 1500/- |

# प्रदेश में पिछले निर्वाचन की तुलना में इस बार 2.10 प्रतिशत अधिक हुआ मतदान

**रतलाम जिले की सैलाना निर्वाचन क्षेत्र पर विधानसभा 2023 में मतदान का 90.10 प्रतिशत पहुंचा आंकड़ा, विधानसभा 2018 में 88.35 प्रतिशत हुआ था मतदान**

**भोपाल :** मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए प्रदेश में 17 नवंबर को शांतिपूर्ण तरीके से मतदान प्रक्रिया संपन्न हो गई है। अब 3 दिसंबर को मतगणना होगी। मतदान के दिन लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदाताओं ने उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता निभाई और बढ़ चढ़कर मतदान किया। मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

प्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2018 की तुलना में इस वर्ष 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज हुई। पोस्टल बैलेट के मतदान प्रतिशत को छोड़ दिया जाए, तो इस वर्ष प्रदेश में 77.15 फीसदी मतदान हुआ, जबकि विधानसभा निर्वाचन 2018 में प्रदेश में 75.05 प्रतिशत मतदान हुआ था। यानि वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में 2.10 प्रतिशत मतदान की बढ़ोत्तरी हुई।

### विधानसभा निर्वाचन 2023 की खास बातें

- सिवनी जिले में सबसे अधिक 86.29 प्रतिशत मतदान हुआ।
- अलीराजपुर जिले में सबसे कम 61.81 प्रतिशत मतदान हुआ।

### रतलाम जिले की सैलाना विधानसभा में हुआ सबसे अधिक मतदान

रतलाम जिले की सैलाना विधानसभा में वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में सबसे अधिक मतदान हुआ। इस बार का मतदान प्रतिशत 90.10 है, जबकि वर्ष 2018 के निर्वाचन में 88.35 प्रतिशत मतदान हुआ था।

### अलीराजपुर जिले की जोबट विधानसभा में सबसे कम 54 फीसदी मतदान हुआ

प्रदेश में अलीराजपुर जिले की जोबट विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 54 फीसदी मतदान हुआ। हालांकि पिछले विधानसभा निर्वाचन 2018 की अपेक्षा वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में मतदान प्रतिशत में 2.06 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2018 के विधानसभा निर्वाचन में जोबट विधानसभा का मतदान प्रतिशत 52.31 प्रतिशत था, जबकि वर्ष 2023 में यह 54.37 प्रतिशत हो गया है।

### प्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2018 की तुलना में सबसे अधिक लखनादौन विधानसभा क्षेत्र में बढ़ा मतदान प्रतिशत

विधानसभा निर्वाचन-2023 में प्रदेश के सिवनी जिले की लखनादौन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान प्रतिशत में सबसे अधिक वृद्धि हुई है। वर्ष 2018 में यहां मतदान प्रतिशत 77.98 था, जबकि वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में यह बढ़कर 84.71 हो गया है। यहां मतदान प्रतिशत में 6.73 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

### प्रदेश की 230 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से 34 क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान प्रतिशत अधिक

वर्ष 2023 के विधानसभा निर्वाचन में प्रदेश की 230 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 34 ऐसे निर्वाचन क्षेत्र हैं, जिसमें पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं के मतदान का प्रतिशत अधिक रहा है। सीधी जिले की सिंहावल विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-78 में पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मत प्रतिशत 11.91 प्रतिशत अधिक है।

## पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण 10 से 12 दिसम्बर

### प्रदेश के 16 जिलों में बच्चों को पिलाई जायेगी पोलियो की खुराक

**भोपाल :** प्रदेश के 16 जिलों में 10 से 12 दिसम्बर, 2023 को पल्स पोलियो अभियान के अतिरिक्त चरण में जीरो से 5 वर्ष आयु के लगभग 37 लाख 50 हजार बच्चों को पल्स पोलियो वैक्सीन की खुराक दी जायेगी। अभियान की तैयारियों के सिलसिले में एनएचएम मुख्यालय में राज्य टास्क फोर्स की बैठक हुई।

टास्क फोर्स की बैठक में महिला-बाल विकास, स्कूल शिक्षा, नगरीय प्रशासन, वन, पंचायत, आदिम जाति कल्याण, आयुष, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों और डब्ल्यू.एच.ओ., यूनिसेफ, यूएनडीपी और अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डायरेक्टर एनएचएम (टीकाकरण) डॉ. संतोष शुक्ला ने टास्क फोर्स समिति के सदस्यों को अभियान में दी गई जिम्मेदारियों से अवगत कराया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अभियान के सफल संचालन के लिये सुझाव भी दिये।

बैठक में बताया गया कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो के केस मिलने के कारण और साथ ही पोलियो-फ्री स्टेटस को मेंटेन रखने के लिये पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण किया जा रहा है। प्रदेश के भिण्ड, भोपाल, छिंदवाड़ा, दतिया, ग्वालियर, इंदौर, कटनी, खरगौन, मंदसौर, नरसिंहपुर, नीमच, निवाड़ी, सतना, श्योपुर, टीकमगढ़ और विदिशा जिलों में अभियान संचालित होगा। इन जिलों में पोलियो दवाई पिलाने के लिये स्थानीय बूथ के साथ-साथ माइग्रेटरी पापुलेशन को कवर करने के लिये मोबाइल टीम भी गठित की जायेगी।

म.प्र.राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा संचालित

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल से सम्बद्ध

शीघ्र आयें प्रवेश पायें

PGDCA
(योग्यता - स्नातक उत्तीर्ण )
कुल फीस 9100/-

DCA
(योग्यता -10 +2 उत्तीर्ण )
कुल फीस 8100/-

संपर्क :-
सहकारी कम्प्यूटर एवं प्रबंध प्रशिक्षण केंद्र
ई- 8/77 शाहपुरा ,त्रिलंगा ,भोपाल
फोन : 0755-2926160 , 2926159
मो. 8770988938 , 9826876158 Website-www.mpscu.in
Web Portal-www.mpscuonline.in
Email-rajyasanghbpl@yahoo.co.in
सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र
किला मैदान इंदौर, म.प्र. पिन – 452006
फोन- 0731-2410908 मो. 9926451862, 9755343053
Email - ctcindore@rediffmail.com

# मतगणना के लिए हरेक विधानसभा हेतु एक-एक सामान्य प्रेक्षक नियुक्त होंगे

विदिशा : कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव ने सोमवार को जिला अधिकारियों व खण्ड स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित कर उन सबको निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीनतम दिशा निर्देशो की जानकारी देते हुए बताया कि आयोग द्वारा जिले की पांचो विधानसभाओं की मतगणना के लिए एक-एक सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किए जाएंगे जिसमें से पूर्व के तीन सामान्य प्रेक्षकों के दो नए प्रेक्षक जिले में तीस नवम्बर तक आएंगे।

कलेक्टर श्री भार्गव ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में मतगणना अति महत्वपूर्ण अंग है अतः समुचित मतगणना कार्य पूर्ण पारदर्शिता, सजगता के साथ पूरा हो इसके लिए मतगणनाकर्मियों के लिए पृथक से प्रशिक्षित भी किया जाएगा। कलेक्टर श्री भार्गव ने एनआईसी के डीआईओ श्री एमएल अहिरवार को निर्देश दिए है कि मतगणना कार्य में 45 आयु वर्ग से अधिक के कोई भी कर्मचारी और किसी भी महिलाकर्मचारी की ड्यूटी नहीं लगाई जाए कि व्यवस्था क्रियान्वित करें।

कलेक्टर श्री भार्गव ने बताया कि मतगणना के हरेक राउण्डवार निर्धारित प्रपत्र में मतगणना ऐजेन्टो से हस्ताक्षर कराएं जाएंगे कि हर एक टेबिल पर सम्पन्न हुई मतगणना के संबंध में उन्होंने बताया कि सबसे पहले डाकमत पत्रों की गणना कार्य किया जाएगा इसके लिए विदिशा विधानसभा क्षेत्र के लिए चार टेबिल, बासौदा के लिए तीन तथा शेष अन्य विधानसभाओं की डाकमत पत्रों की गणना हेतु दो-दो टेबिल पृथक-पृथक कक्षो में गणना हेतु लगाई जाएगी। उन्होंने ईव्हीएम की गणना के दौरान आयोग के द्वारा जारी दिशा निर्देशो का अक्षरशः पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर श्री भार्गव ने कलेक्टेªट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित इस बैठक में सभी विभागो के अधिकारियों से कहा कि अब धीरे-धीरे विभागीय मूल कामो पर विशेष ध्यान देना शुरू करें ताकि आमजनों को किसी भी प्रकार की समस्याओं का सामना ना करना पडें। उन्होंने किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक को निर्देश दिए है कि जिले में रबी बोनी का कार्य क्रियान्वित हो रहा है अतः किसानो को कहीं भी यूरिया, डीएपी की कमी ना हो जिले में अल्प वर्षा को ध्यानगत रखते हुए किसानो से पानी की उपलब्धता के अनुसार फसल लेने का आव्हान किया गया है अतः जिले में चना, मसूर, सरसो का रकबा बढेगा इसके लिए समर्थन मूल्य पर खरीदी के पूर्व वारदानो की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए।

कलेक्टर श्री भार्गव ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए है कि जिन बांधो से पेयजल आपूर्ति हेतु जल संरक्षित रखा जाता है उन बांधों में पूर्व वर्षो की अपेक्षा इस वर्ष अधिक मात्रा में पेयजल संरक्षित किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बेतवा नदी की धार टूट जाने से जल आपूर्ति में अभी से संकट परलिक्षित होने लगेगे अतः लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के लिए आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति के लिए अभी से पहल करें।

# कृषकों को सुगमता पूर्वक उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश

**सीहोर :** जिले में रबी फसलों की बोनी का कार्य 80 प्रतिशत से अधिक हो गया है शेष कार्य प्रगति पर है,जिले में रबी फसलों के लिए यूरिया, डीएपी एवं एनपीके की मांग अधिक होने के कारण जिले के डबल लाक एवं एग्रो के उर्वरक विक्रय केन्द्रों पर हो रही भीड़ के कारण कृषकों को सुगमता पूर्वक उर्वरक उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से राज्य कृषि उद्योग विकास निगम लिमिटेड, मंडी प्रांगण एवं विपणन संघ के केन्द्रों के निजी विक्रेताओं को काउंटर खोलने के लिए निर्देशित किया गया है। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने बताया कि किसानों को आसानी से उर्वरक प्राप्त हो सके इसके लिए निजी विक्रेताओं को काउंटर खोलने के लिए निर्देशित किया गया है। जारी आदेशानुसार निजी विक्रेताओं में अग्रसेन ट्रेडिंग कंपनी गल्ला मंडी, सीहोर फर्टिलाइजर्स गल्ला मंडी, प्रमोद फर्टिलाइजर्स कन्नौद रोड आष्टा, मेवाडा ट्रेडिंग कंपनी कन्नौद रोड आष्टा, शरद कृषि सेवा केन्द्र नसरुल्लागंज रोड इछावर, गुप्ता कृषि सेवा केन्द्र नसरुल्लागंज रोड इछावर, साई कृपा कृषि सेवा केन्द्र मेनरोड नसरूल्लागंज, बालाजी कृषि सेवा केन्द्र मेनरोड नसरूल्लागंज, पालीवाल खाद भंडार रेहटी, वि.ख. बुदनी, विजायासन कृषि सेवा केन्द्र रेहटी, वि.ख. बुदनी, किसान भाई निजी विक्रेताओं द्वारा लगाये गये उनके काउंटर से पात्रता अनुसार कृषकों को विक्रय पर्ची जारी करेंगे, जिससे किसान निजी दुकानदार के भंडार से उर्वरक प्राप्त कर सकें। जिन निजी विक्रेताओं द्वारा इस व्यवस्था का पालन नहीं किया जाता है, तो उनके उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के तहत कार्यवाही की जावेगी।

# एनपीके का उपयोग से फसलों में एक साथ तीन तत्वों नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश की पूर्ति

**सीहोर :** जिले में रबी फसलों की बोनी का कार्य 80 प्रतिशत से अधिक हो गया है शेष कार्य प्रगति पर है, जिसके चलते बेसल डोज के रूप में कृषकों को डीएपी एनपीके एवं एसएसपी उर्वरक की आवश्यकता होती है। वर्तमान में शासन द्वारा उर्वरक की आपूर्ति की जा रही है। रबी फसलों के लिए कृषक डीएपी उर्वरक का अधिक उपयोग करते है।

उप संचालक किसान कल्याण कृषि विकास ने बताया कि किसान रबी फसलों के लिए बेसल डोज के रूप में एनपीके उर्वरक जैसे- 12.32.16 एवं 20.20.0.13 आदि डीएपी के स्थान पर एक अच्छा विकल्प है। एनपीके का उपयोग करने से फसलों में एक साथ तीन तत्वों नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश की पूर्ति सुनिश्चित करता है जबकि डीएपी उर्वरक से मात्र दो तत्वों नत्रजन, फास्फोरस की ही पूर्ति होती है। इस प्रकार डीएपी के स्थान पर एनपीके का उपयोग कृषको के लिए लाभकारी है। इसके अतिरिक्त कृषक भाईयों से अपील है कि, मृदा परीक्षण के आधार पर जारी मृदा स्वास्थ्य कार्ड में की गई अनुशंसा के अनुरूप ही उर्वरकों का संतुलित उपयोग करें तथा खेती में लागत कम कर के खेती को लाभ का धंधा बनाये।

# बदलते मौसम में जन-जागरूकता एवं मलेरिया से बचाव की जानकारी

**सीहोर :** स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि बदलते मौसम में समुदाय स्तर पर जन-जागरूकता के तहत डेंगू के प्रति आम लोगों को सचेत किया जा रहा हे। मौसम परिर्वतन तथा बार-बार मौसम में बदलाव को देखने को मिल रहा है। ऐसे में ज्यादा सतर्क रहने की आवश्यकता है क्योंकि ऐसे मौसम में लार्वा पनपने की संभावना होती है, अतः लोगों को मच्छर से बचाव रखने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि मलेरिया विभाग के सहयोग रहवासियों को जनजागरुकता के माध्यम से एवं पोस्टर बैनर के माध्यम से डेंगू और मलेरिया के प्रति जागरूक किया गया है, इसके साथ ही घर- घर भ्रमण एवं सामुदायिक बैठक के माध्यम से लोगों को डेंगू एवं मलेरिया के प्रति जागृत किया जा रहा है, ताकि समुदाय के लोग अपने- अपने घरों की स्वयं निगरानी करें, एक हफ्ते से ज्यादा पानी जमा न होने दें। स्वास्थ्य विभाग ने आम लोगों से कहा कि पानी की टंकी एवं फ्रिज की ट्रे को समय-समय पर जांच करते रहें, हर हफ्ते में एक बार पानी अवश्य बदले और घर में किसी को बुखार आने की स्थिति में पर में तुरंत ही चिकित्सालय जाकर खून की जांच कराएं, इसके साथ ही समुदाय स्तर पर लोगों को मलेरिया के बारे में समझाया। साथ ही कैसे बचाव करे के बारे में बताया।

# धान उपार्जन संबंधी कठिनाईयों के निराकरण हेतु उप खण्ड स्तरीय उपार्जन समिति गठित

रायसेन : जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन हेतु जारी नीति के अंतर्गत उपार्जन के दौरान आने वाली कठिनाईयों के निराकरण हेतु कलेक्टर श्री अरविंद दुबे के आदेशानुसार उप खण्ड स्तरीय उपार्जन समिति का गठन किया गया है। इस उप खण्ड स्तरीय उपार्जन समिति का अध्यक्ष संबंधित अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को बनाया गया है। साथ ही अनुविभागीय अधिकारी कृषि, सहकारिता विस्तार अधिकारी, शाखा प्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, गोदाम प्रभारी म.प्र. वेयर हाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक कार्पोरेशन रायसेन, गोदाम प्रभारी मप्र स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लिमिटेड रायसेन तथा सचिव कृषि उपज मण्डी को सदस्य बनाया गया है। इनके अतिरिक्त सहायक/कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी को सदस्य सचिव बनाया गया है। यह उप खण्ड स्तरीय उपार्जन समिति खरीफ उपार्जन वर्ष 2023-24 में उपखण्ड स्तर पर खरीफ उपार्जन संबंधी समस्त विवादों का अंतिम निराकरण करेगी तथा उपार्जित स्कंध की गुणवत्ता की निगरानी भी करेगी।

# डेंगू अलर्ट : 'एडीज है घरेलू मच्छर'

इन्दौर : भारी वर्षा के बाद जल जमाव की स्थितियां होती है, ऐसी स्थिति में मलेरिया, डेंगू का प्रकोप बढ़ जाता है। डेंगू बीमारी एडीज नामक मच्छर के काटने से होती है। यह मच्छर साफ पानी से भरे टैंक, टायर, सीमेन्ट की टंकियों, मटके, बाल्टियों, कूलर, छत पर रखे अनुपयोगी सामान, टूटे-फूटे बर्तन, पानी से भरे पॉलीथिन में अपने अण्डे देता है, साथ ही साथ सीधे रखे खाली गमले, मटके एवं अन्य पानी से भरे बर्तन व सामान, कबाड़ियों द्वारा खुले में रखे गए सामान, पशुओं को पानी पिलाने के लिए रखे गए हौज में भी एडीज के लार्वा पाए जाते हैं, जिसे आम जनता इसे पानी के कीड़े समझती है।

नागरिकों से कहा गया है कि वे इन्हें नष्ट करें, पानी को जमा न होने दें, उपयोग करने के पानी को अच्छी तरह से ढक कर रखें तथा उनमें एक छोटी चम्मच मीठा तेल डाले, बाहर गड्ढों तथा नालियों में जला हुआ तेल डाले। यह मच्छर दिन के समय काटता है, अतः पूरी आस्तिन के कपड़े पहने, रात के समय मच्छरदानी का प्रयोग करें, घर में नीम की पत्तियों का धुंआ करें, मच्छर रोधी क्रीम व अगरबत्ती का प्रयोग करें।

डेंगू के प्रकोप से बचने के लिए लार्वा तथा मच्छरों को नष्ट करने की कार्यवाही स्वास्थ्य विभाग द्वारा सतत की जा रही है। आमजन से आग्रह किया गया है कि सप्ताह में एक बार घर में जल जमाव वाली जगहों का निरीक्षण कर जल निकासी करें तथा घर में कूलर आदि का नियमित अंतराल में पानी बदलते रहें।

# धान उपार्जन संबंधी कठिनाईयों के निराकरण हेतु जिला स्तरीय समिति गठित

**रायसेन :** जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन हेतु जारी नीति के अंतर्गत उपार्जन के दौरान आने वाली कठिनाईयों के निराकरण हेतु कलेक्टर श्री अरविंद दुबे की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उपार्जन समिति का गठन किया गया है। इस समिति में जिला लीड बैंक अधिकारी, उप संचालक कृषि, उपायुक्त सहकारिता रायसेन, जिला सूचना अधिकारी एनआईसी रायसेन, महाप्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित रायसेन, जिला विपणन अधिकारी मार्कफेड रायसेन, जिला प्रबंध मप्र वेयर हाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक कार्पोरेशन रायसेन, जिला प्रबंधक मप्र स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लिमिटेड रायसेन, अधीक्षक भू-अभिलेख रायसेन तथा सचिव कृषि उपज मण्डी जिला मुख्यालय रायसेन को सदस्य बनाया गया है। इनके अतिरिक्त समिति में जिला आपूर्ति अधिकारी को सदस्य सचिव बनाया गया है। यह जिला स्तरीय उपार्जन समिति खरीफ उपार्जन वर्ष 2023-24 में जिला स्तर पर खरीफ उपार्जन संबंधी समस्त विवादों का अंतिम निराकरण करेगी तथा उपार्जित स्कंध की गुणवत्ता की निगरानी भी करेगी।

# जबलपुर में उर्वरक का पर्याप्त मात्रा में स्टॉक मौजूद डीएपी की एक और रैक आई

**जबलपुर :** जिले में किसानों की आवश्य कता के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों का स्टॉपक मौजूद है। डी.ए.पी. की 2 हजार 450 मीट्रिक टन की रैक आई है। इस रैक से लगभग 1 हजार 850 मीट्रिक टन की मात्रा जिले को प्राप्त होगी। यह डी.ए.पी. कृषकों को उनकी मांग के अनुसार जोत सीमा के आधार पर उपलब्ध कराई जायेगी। वर्तमान में जिले में डी.ए.पी. 3 हजार 727 मीट्रिक टन की मात्रा में उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त यूरिया 6 हजार 137 मीट्रिक टन, एन.पी.के.एस. 2 हजार 122 मीट्रिक टन, म्यूरेट ऑफ पोटाश 227 मीट्रिक टन एवं सुपर फास्फेट 6 हजार 588 मीट्रिक टन की पर्याप्त मात्रा में भंडारित है। कृषकों को निर्धारित दर पर एवं मानक स्तर का उर्वरक उपलब्ध करवाने के लिये विभिन्न दलों का निर्माण कर निगरानी भी रखी जा रही है। उपसंचालक किसान कल्याण एवं कृषि विभाग रवि आम्रवंशी ने बताया कि आने वाले 2 से 3 दिनों में डीएपी की एक और रैक आना प्रस्तावित है।

# जहां खाद की जरूरत है, वहां पहले वितरण करायें– कमिश्नर श्री वर्मा

**जबलपुर :** कमिश्नर श्री अभय वर्मा ने आज संभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संभाग के जिलों में खाद की उपलब्धता को लेकर विस्तृत समीक्षा की और कहा कि जहां-जहां खाद की जरूरत है वहां पहले वितरण करायें। इसके साथ ही धान कटाई, रबी की बोवनी, धान खरीदी की तैयारी आदि की समीक्षा की गई और कहा कि धान खरीदी केन्द्र पूर्व की भांति यथावत रखा जाये, जरूरत पड़े तो धान उपार्जन केन्द्र बढ़ा सकते हैं लेकिन कम न करें। खाद्यान्न वितरण की समीक्षा के दौरान खाद्यान्न के उठाव व वितरण समय पर करने के निर्देश दिये गये।

बैठक में स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं की सुनिश्चितता में लापरवाही न करें। हेल्थ की समीक्षा में संस्थागत प्रसव, परिवार कल्याण कार्यक्रम, एनआरसी, एसएनसीयू, दवाईयों की उपलब्धता, सिकल सेल व थैलेसिमिया की रोकथाम, टेली मेडिसन सिस्टमतथा सीटी स्केन के दरों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इसके साथ ही मत्स्य पालन, उद्यानिकी तथा सामाजिक न्याय की योजनाओं पर चर्चा कर उनके प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिये।

# मौसम में बदलाओं को दृष्टिगत निमोनिया से बचाव एवं उपचार हेतु स्वास्थ्य विभाग की सलाह

सीहोर :मौसम में बार-बार बदलओं को दृष्टिगत रखते हुए बढ़ सकती है निमोनिया की संभावना से बच्चों में निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं उसके उपचार एवं प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी की गई हे। निमोनिया के आकलन, निमोनिया का वर्गीकरण, खतरनाक लक्षणों के चिन्हों की पहचान, समुदाय आधारित निमोनिया का प्रबंधन, उपचार एवं रेफरल के संबंध में मैदानी कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि बदलते मौसम में बच्चों को निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं एसके उपचार एवं प्रबंधन के लिए विभाग तैयार है। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की एएनएम को निमोनिया के संबंध जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि सर्दी के मौसम में बच्चों में निमोनिया के केसेस ज्यादा पाए जाते हैं। इसे देखते हुए मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को अवगत किया गया है। जिससे कि वह अपने क्षेत्र में निमोनिया के लक्षण वाले बच्चों की शीघ्र पहचान कर शीघ्र प्रबंधन कर सकें। निमोनिया से बचाव एवं जागरूकता के लिए विभाग द्वारा 29 फरवरी तक सांस अभियान संचालित किया जायेगा। निमोनिया फेफड़े का संक्रमण है। जिससे फेफड़ों में सूजन हो जाती है। निमोनिया होने पर बुखार खांसी और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। तेज सांस चलना या छाती का धंसना निमोनिया के दो मुख्य चिन्ह है। प्रशिक्षण में शिशु रोग विशेषज्ञों द्वारा द्वारा बच्चों में सांस की दर को गिनकर निमोनिया के लक्षणों की पहचान के संबंध में जानकारी दी गई।

बच्चों में सांस की गति का ठीक ढंग से आकलन करके निमोनिया को प्रारंभिक अवस्था में ही पहचाना जा सकता है। इसके लिए बच्चों की श्वास को एक मिनट तक निरंतर देखा जाता है। दो माह तक की उम्र के बच्चों की सांस लेने की दर एक मिनट में 60 या उससे अधिक होने पर, 2 माह से एक वर्ष तक की आयु में 50 या उससे अधिक एवं 1 वर्ष से 5 वर्ष तक के बच्चों में प्रति मिनट 40 या उससे अधिक सांस की दर होने पर निमोनिया होने की संभावना रहती है। 5 वर्ष तक के बच्चों में सर्वाधिक मृत्यु का कारण निमोनिया है। निमोनिया से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए टीकाकरण, छह माह तक सिर्फ स्तनपान और उसके बाद उचित पूरक आहार, विटामिन ए का सेवन, साबुन से हाथ धोना, घरेलू वायु प्रदूषण को कम करना आवश्यक है।

# मतगणना संबंधी मास्टर ट्रेनर्स को दिया गया प्रशिक्षण

**शहडोल :** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती वंदना वैद्य की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में विधानसभा निर्वाचन 2023 के मतदान पश्चात मतगणना सुपरवाइजर, मतगणना सहायक एवं माईक्रो आर्ब्जबर को प्रशिक्षण प्रदान किये जाने हेतु संबंधित मास्टर टेनर्सा को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रोमोनुस टोप्पो ने मतगणना आवश्यक जानकारियों से अवगत कराया। इस अवसर पर रिटर्निंग आफिसर श्री नरेंद्र सिंह धुर्वे, श्रीमती ज्योति सिंह परस्ते, श्रीमती प्रगति वर्मा, निर्वाचन सुपरवाईजर श्री संजय खरे सहित मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित थें।

# धान उपार्जन का कार्य 1 दिसम्बर से 19 जनवरी तक

## धान उपार्जन नीति के संबंध में बैठक सम्पन्न

**शहडोल :** कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में खरीफ विपणन मौसम 2023-24 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन नीति के संबंध में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि खरीदी केंद्रों में धान उपार्जन हेतु बिजली, पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। बैठक में बताया गया कि भारत सरकार द्वारा खरीफ विपणन मौसम 2023-24 के लिए औसत अच्छी गुणवत्ता के धान का समर्थन मूल्य धान कॉमन हेतु 2183 रूपये समर्थन मूल्य प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। बैठक में जिलाआपूर्ति नियंत्रक श्री विपिन पटेल ने बताया कि समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन 1 दिसम्बर से 19 जनवरी 2024 तक किया जाएगा, कृषको के धान उपार्जन कार्य सप्ताह में 5 दिन (सोमवार से शुक्रवार) को प्रातः 8 बजे से शाम 8 बजे तक किया जाएगा एवं कृषक तौल पर्ची सांय 6 बजे तक जारी की जाएगी, जिन कृषको की उपज की तौल अपरिहार्य कारणवश सोमवार से शुक्रवार तक नही हो सकेगी उसकी तौल शनिवार को की जाएगी।

उन्होंने बताया कि शनिवार एवं रविवार को शेष स्कंध का परिवहन, भण्डारण, लेखा का मिलान तथा अस्वीकृत स्कंध का अपग्रेडेशन, वापसी की कार्यवाही की जाएगी। बैठक में बताया गया कि गोदाम, केप स्तर पर गुणवत्ता परीक्षण में पाए जाने वाले नॉन एफक्यू स्कंध का भंडारण उपार्जन समिति द्वारा गोदाम, केप पर नही किया जाएगा, विशेष परिस्थिति में 5 दिवस से अधिक गोदाम, केप पर भंडारण नही किया जाएगा। बैठक में जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री विपिन पटेल, सेवा सहकारी समिति के प्रबंधक, केंद्र प्रभारी सहित अन्य संबंधी अधिकारी उपस्थित थें।

# मतगणना में संलग्न अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

नर्मदापुरम : निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये मतगणना 3 दिसम्बर को होगी। मतगणना कार्य के लिये गणना सहायक, माइक्रो ऑब्जर्वर व गणना सुपरवाइजर्स की नियुक्ति कर दी गई है। कलेक्टरेट कार्यालय में गुरुवार को मतगणना कार्य में संलग्न सभी अधिकारी कर्मचारियों का प्रशिक्षण दो शिफ्टों सम्पन्न हुआ। प्रथम पाली में मतगणना अधिकारियों को ईवीएम आधारित एवं द्वितीय पाली में डाक मतपत्र के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया कि मतगणना कार्य डाक मतपत्रों की गणना के साथ प्रातः 8 बजे से शुरू होगा। सभी अधिकारी कर्मचारी प्रातः 6 बजे परिचय पत्र के साथ मतगणना स्थल पर उपस्थित हो जाएं। मतगणना स्थल पर मोबाइल फोन का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। अतः मोबाइल फोन साथ लेकर न आए। उल्लेखनीय है कि मतगणना कार्य में संलग्न अधिकारियों व कर्मचारियों का 24 नवम्बर तथा 25 नवंबर को भी प्रसिक्षण आयोजित होगा। प्रशिक्षण में सभी रिटर्निंग अधिकारी, नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर श्री पंकज दुबे सहित मतगणना में नियुक्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें।

# सहकारी प्रशिक्षण केंद्र नौगांव में किया गया 70वां अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह का आयोजन

नौगांव जिला छतरपुर में दिनांक 14 नवंबर 2023 को 70 वां अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह 14 से 20 नवम्बर का आयोजन सहकारी प्रशिक्षण केंद्र नौगांव में किया गया। सहकारी सप्ताह अवसर पर सहकारी सतरंगा ध्वजारोहण हर्ष और उल्लास से किया गया। ध्वजारोहण अवसर पर प्रशिक्षक हृदेश कुमार राय ने सहकारी क्षेत्र की नई गतिविधियों से अवगत कराया एवं श्री बाबूलाल कुशवाहा जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक ने सहकारी गीत का गायन किया। जिसमें श्री खूबचंद नाई प्रभारी लिपिक, श्री भूपेंद्र जैन, श्री राजकुमार डुमार एवं पूर्व स्टाफ श्री पप्पू जैन सहित बड़ी संख्या मे गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

**जबलपुर।** सहकारी प्रशिक्षण केंद्र जबलपुर द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राजीव गांधी मत्स्योधोग सहकारी समिति मर्यादित मेहता में किया गया। जिसमें केंद्र के प्रशिक्षक जय कुमार दुबे ने उपस्थित सदस्यों को प्रबंध कमेटी का गठन, उद्देश्य एवं समिति में होने वाली बैठको के बारे में जानकारी देते हुए समिति सदस्यों की आय को बढ़ाने के लिए अन्य नए व्यवसाय जैसे मुर्गी पालन, पशु पालन इत्यादि विषयो पर चर्चा की गई। समिति के अध्यक्ष श्री चुन्नू लाल बर्मन, उपाध्यक्ष श्री परसराम बर्मन, सचिव श्री शरद बर्मन के साथ अन्य सदस्य महेश, अर्जुन, पंचम, पन्नालाल, दशरथ, गोकुल, रमन, रामसहाय, विपललाल, भोला, नारायण, राजकुमार, बबीता, ममता, मनीषा, प्रीति, रजनी बर्मन के साथ अनेक लोगों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

# सहकारी समिति सुमठा में एक दिवसीय सहकारी प्रशिक्षण समपन्न

इंदौर। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, इंदौर के द्वारा दिनाँक 21/11/2023 को सेवा सहकारी संस्था मर्यादित, सुमठा, ज़िला-इंदौर में एक दिवसीय सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सहकारिता का अर्थ, उद्देश्य, विशेषताएं, महत्व, सहकारी सिद्धांत एवं मूल और सहकारिता की पहचान, सहकारिता एवं आर्थिक उपक्रम, पूंजीवाद और समाजवाद एवं दोनों के बीच माध्यम मार्ग- सहकारिता, आर्थिक उदारीकरण एवं सहकारिता, विश्व की अर्थव्यवस्था में सहकारिता, सहकारी आन्दोलन, सहकारी संस्थाओं के प्रमुख क्षेत्र , संरचना एवं वर्गीकरण, भारत एवं मध्यप्रदेश में सहकारी एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था, सहकारिता के सामाजिक सरोकार जैसे विषयों पर जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक श्री राहुल श्रीवास द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में संस्थान के प्रबंधक श्री राजेश राठौर सेल्समेन श्री मुकेश पवार, कम्प्यूटर ऑपरेटर श्री विष्णु प्रजापती और समस्त समिति सदस्य एवं कृषक सदस्य उपस्थित रहें।

# रोजगार प्रदाता बनें-कृषि क्षेत्र में है स्वरोजगार की असीम सम्भावनाये

हमारे देश में अधिकांश लोगो की मानसिकता नौकरी करने की होती है तथा व्यापार की तरफ बहुत काम लोगो का रुझान देखने को मिलता है। जब से वच्चा पैदा होता है उसके माँ-बाप उससे पूछने लगते है 'अलेले मेरा वच्चा बड़ा होकर क्या बनेगा-कलेक्टर, इंजीनियर, डॉक्टर या बड़ा अधिकारी' और इसी की घुट्टी उसे पिलाई जाती है। उसके दिलों-दिमाग में इस नुस्खे को कूट-कूट कर भर दिया जाता है। व्यापारी या उद्यमी बनने की बात शायद ही कोई माँ-बाप अपने बच्चे को बताता होगा। यही वजह है की बहुतेरे बच्चे कलेक्टर, इंजीनयर, डॉक्टर बनने के फेर में अपना सब कुछ दांव पर लगा देते है और कुछ ही को सफलता मिलती है। शेष बेरोजगारी का दंश झेलते रहते है। रोबर्ट क्योस्की के अनुसार विश्व में 5 % लोग व्यापार अथवा पूँजी निवेश के क्षेत्र में कार्य करते है जो विश्व की 95 % दौलत के मालिक है तथा शान-शौकत का जीवन व्यतीत कर रहे है । विश्व के 95 % लोग सेवा क्षेत्र को चुनकर नौकरी करते है जिनके पास विश्व की सिर्फ 5 % दौलत है और ले दे कर जीवन की नाव को घसीट रहे है। अब मर्जी आपकी है कि आप अपने बेटें-बेटियों को किसी उद्यम/व्यापार के लिए प्रेरित कर उसे मालिक बनाना चाहते है या फिर उसे नौकरी के लिए विवस कर नौकर बनाना चाहते है। जहाँ निजी क्षेत्र में वेतन बहुत कम है वहीं उच्चतर वे पेशवर शिक्षा महंगी होती जा रही है। रोजगर प्राप्ति के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। छात्रों में योग्यता व रोजगार के लिए बढ़ती हुई होड़ से परेशान व हताश हैं। उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं चूंकि स्वरोजगार के रूप में अभी भी एक विकल्प उन उत्साही, संघर्षशील व परिश्रमी युवाओं के लिए खुला है जिनकी या तो नौकरी में रुचि नहीं है या इस प्रतियोगी युग ने अपने लिए बढिय़ा-सा रोजगार हासिल करने में स्वयं को असमर्थ महसूस करते हैं। इसमें आपको नौकरी की तलाश में दर-दर भटकना भी नहीं पड़ेगा बल्कि आप अपने स्वयं मालिक होंगे। समय की भी मांग है कि युवा वर्ग को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया जाए इसमें न केवल उनका अपितु देश का हित भी जुड़ा हुआ है।

### सोहरत और दौलत के लिए कृषि उद्यमी बनें

सोहरत और दौलत हासिल करने के लिए आपको अपनी सोच बदलनी होगी। अपने बच्चों को बेहतर तालीम के साथ-साथ व्यवसाय में सुनहरे भविष्य की उज्जवल तस्वीर उनके मन मस्तिष्क में बैठाना होगी। उद्यम अथवा व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिए कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में असीम सम्भावनाये है और हमेशा बनी रहेंगी।आर्थिक उदारीकरण, विश्व व्यापारीकरण और भौतिकवादी संस्कृति मानव की जीवन शैली और खान-पान को एक नै दिशा प्रदान की है। अब लोगों का विशेष कर नौजवानों का नित नई वस्तुओं के प्रति बढ़ता मोह व रुझान

ने स्वरोजगार के लिए नए द्वार खोल दिए है। तेजी से बदलते विश्व परिदृश्य व परिवेश का फायदा उठाते हुए कृषि आधारित तमाम उद्यम प्रारंभ किये जा सकते है । भारत एक कृषि प्रधान देश है। देश की अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ी भूमिका कृषि निभाती है। देश की करीब अस्सी फीसदी आबादी कृषि पर निर्भर है। भारत के विभिन्न राज्यों के जलवायु और ज़मीन में जितनी विविधता है उसी वजह से फसलों में भी उतनी ही विविधता है। कृषि में स्वरोजगार शुरू करने पर आप न केवल स्वयं को बल्कि अन्य बेरोजगार युवाओं को भी रोजगार का अवसर मुहैया करवाएंगे। इस कार्य से आप समाज के प्रति अपने दायित्वों का ही निर्वाह कर सकते हैं। स्वरोजगार स्थापना हेतु केंद्र एवं विभिन्न राज्यों की सरकारों द्वारा बहुत सी महत्वाकांक्षी योजनायें एवं कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है । ग्रामीण युवाओं और बेरोजगार नौजवानों स्किल इंडिया के तहत स्व-रोजगार स्थापित करने के लिए उद्यमिता प्रशिक्षण भी दिये जा रहे है तथा उद्यम स्थापित करने के लिए बैंकों से आसानी में कम ब्याज दर पर ऋण सुविधा भी उपलब्ध है । यदि गौर किया जाए तो कृषि में स्वरोजगार स्थापित करने का क्षेत्र इतना व्यापक है कि आकाश भी छोटा पड़ जाए। कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने के विभिन्न आयाम यहां प्रस्तुत है ।

### 1. बागवानी और संबद्ध क्षेत्र

बागवानी में रोजगार के अपार अवसर है, विशेषकर बेरोजगार युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोजगार सृजन की बागवानी में व्यापक संभावनाएं है। बहुत सी कृषि जिंसों के उत्पादन में भारत विश्व का नेतृत्व करते आ रहा है जैसे आम, केला, नींबू, नारियल, काजू, अदरक, हल्दी और काली मिर्च। वर्तमान में यह विश्व में फल और सब्जियों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।भारत का सब्जी उत्पादन चीन के बाद दूसरे स्थान पर है और फूलगोभी, के उत्पादन में पहला स्थान है प्याज में दूसरा और बंदगोभी में तीसरा स्थान है। इसके अतिरिक्त हमारा देश मसालों का सबसे बड़ा उपभोक्ता, उत्पादक और निर्यातक है। भारत के सभी प्रदेशों में सब्जियों व मसालेदार फसलों जैसे आलू, अरबी,शकरकंद, जिमीकंद, भिण्डी, गोभी, सेम, मटर, टमाटर, बैगन, मिर्ची, हल्दी, धनियां अदरक, लहसुन, मैथी, पालक आदि की खेती की अपार संभावनाएं विधमान है। इनकी खेती आर्थिक रूप से लाभदायक भी है । टमाटर, आलू , मटर तथा मसालेदार फसलों के प्रसंस्करण एवं विपणन के क्षेत्र में उद्यम स्थापित किये जा सकते है । छत्तीसगढ़ में उगाए जाने वाले प्रमुख फल आम, केला, अमरुद, बेर, पपीता, शरीफा आदि हैं। हमारे किसान घर की बाड़ी में इन्हे परंपरागत रूप से लगाते भी है । यदि योजनाबद्ध तरीके से इनकी खेती की जाय तो छोटे-मझोले किसान अतिरिक्त आमदनी प्राप्त कर सकते है । सहजन(मुनगा) की खेती स्वास्थ्य और आर्थिक रूप से भी लाभदायक है । फल, फूल एवं सब्जी की खेती को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार विभिन्न राज्यों में हार्टीकल्चर मिशन चला रही है । इसके तहत किसानों को आर्थिक मदद दी जा रही है ।

### 2. पुष्प कृषि

वाणिज्यिक पुष्प कृषि हाल में ही शुरू हुई है, यद्यपि पुष्पों की पारंपरिक खेती भारत में सदियों से हो रही है। भारत में सदियों से फूल कृषि की जा रही है किन्तु वर्तमान में फूल कृषि एक व्यवसाय के रूप में की जाने लगी है क्योंकि भगवान की पूजा हो, विवाह हो, त्यौहार हो या किसी का स्वागत सम्मान हो अथवा किसी को श्रदांजली अर्पित करनी हो फूलों के बिना संपन्न नहीं हो सकती है । समकालिक कटे फूलों जैसे गुलाब, ग्लेडियोलस, टयूबरोस, कार्नेशन इत्यादि का वर्धित उत्पादन पुष्प गुच्छ तथा साथ ही घर तथा कार्यस्थल के अलंकरण हेतु इनकी मांग में निरंतर वृद्धि हो रही है। फूलों से आप गुलदस्ता, कट फ्लावर, माला. स्टेज सज्जा,बुके आदि बना कर बाजार में बेच सकते है। अनेक फूलों जैसे गुलाब, चमेली, मोंगरा आदि से इत्र/फ्रेश्नर तैयार किये जाते है। फूलों के राजा गुलाब का तो कहना ही क्या है। इसका फूल किसी का भी मन मोह लेता है। वेलेंटाइन डे के समय तो गुलाब का एक पुष्प 15-20 रुपये में बिकता है। गुलाब के फूलों से तो गुलकंद और गुलाब जल भी बनाया जाता है। इस प्रकार रोजगार सृजन के लिए पुषपीय पौधों की खेती एक महत्वपूर्ण उद्यम बन सकता है जिसमें पैसे के साथ-साथ फूलों की खुशबु और अपार खुशियां भी आपको मिल सकती है।

### 3. औषधीय एवं सुगंधित पादप खेती एवं प्रसंस्करण

भारत को मूल्यवान औषधीय और सुरभित पादप किस्मों का भंडार माना जाता हैं। भारत में 15 कृषि-जलवायवी क्षेत्रों में अमूमन 47000 भिन्न-भिन्न पादप जातियां पाई जाती हैं, जिनमे से 15000 औषधीय एवं सगंध पौधे हैं। लगभग 2000 देशज पादप जातियों में रोगनाशक गुण हैं और 1300 जातियों अपनी सुगंध तथा सुवास के लिए प्रसिद्ध हैं। चिकित्सा की भारतीय प्रणालियों अर्थात. आयुर्वेद, यूनानी तथा सिद्ध औषधियों की देश-विदेश में बहुत मांग हैं। बहुमूल्य दवाइयां बनाने में प्रयुक्त 80 प्रतिशत कच्ची सामग्री औषधीय पौधों से प्राप्त होती हैं। हमारे प्रदेश में उगाये जाने वालें प्रमुख औषधीय पौधों में आंवला, चिरायता, कालमेघ, सफेद मूसली, दारूहल्दी, सर्पगंधा, अश्वगंधा, गिलोय, सेन्ना, अतीस, गुडमार कुटकी, शतावरी, बेल गुग्गल, तुलसी, ईसबगोल, मुलेठी, वैविडंग, ब्राह्मी, जटामांसी, पथरचूर कोलियस, कलीहारी, आदि प्राकृतिक रूप से उगते है जिनके कृषिकरण, प्रसंस्करण एवं विपणन में ग्रामीण युवायों के लिए रो गार के पर्याप्त अवसर विद्यमान है । सगंध फसलों में पामारोशा, नींबू घास, सिट्रोनेला, मेंथा आदि की उद्योग जगत में भारी मांग है ।

### 4. पशु पालन और डेयरी

पशु पालन और डेयरी विकास क्षेत्र भारत के सामाजिक आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं। पशुपालन सदैव से ही मानव संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है । सुरक्षा, शौक, परिवहन एवं आजीविका के लिए तथा अपनी पोषण सम्बन्धी जरूरतों की पूर्ति सहित अनेक अन्य कार्यों के लिए हम अपने इन वफादार सहचरों पर आज भी आश्रित है । विश्व के अनेक देशों की भांति हमारे यहां भी गौवंशीय पशु पालन, बकरी, भेड़, कुक्कुट, अश्व, ऊंट, बतख, खरगोश आदि के पालन पोषण से छोटी-बड़ी आय अर्जन गतिविधियों के रूप में प्रचलित है ।संसार में भैंसों के संदर्भ में भारत का पहला स्थान है, पशुओं तथा बकरियों में दूसरा, भेड़ों में तीसरा, बत्तखों में चैथा, मुर्गियों में पांचवां और ऊंटों की संख्या में छटा। पशुधन क्षेत्र न केवल दूध, अंडों, मांस आदि के रूप में आवश्यक प्रोटीन तथा पोषक मानव आहार उपलब्ध कराता है, साथ ही पशुधन कच्ची सामग्री के उपोत्पाद यथा खाल तथा चमड़ा, रक्त, अस्थि, वसा आदि उपलब्ध कराता है। दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में भारत का योगदान निर्विवादित रूप से सर्वश्रेष्ठ है । हमारे देश में सालाना 820 लाख टन से भी अधिक दुग्ध उत्पादित होता है जो विश्व स्तर पर मात्रा की दृष्टि से सर्वाधिक है । इसके अलावा सहकारी, निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्रों में 275 से अधिक सयन्त्रों, लगभग 83 दुग्ध उत्पाद कारखानों एवं असंख्य लघु स्तर के दुग्ध उत्पादको के योगदान से हमारे देश का दुग्ध उद्योग विश्व पटल पर तेजी से उदीयमान हो रहा है ।

जनसँख्या वृद्धि को ध्यान रखते हुए देश में पशुपालन व्यवसाय को विकसित करने की असीम संभावनाएं है । किसानों द्वारा वर्तमान में पाली जा रही गाय व भैस की नस्लों की उत्पादन क्षमता बहुत कम है । नस्ल सुधार तथा उत्तम नस्ल की गाय-भैस पालने से ग्रामीण अंचल की अर्थव्यवस्था को काफी हद तक सुधारने की संभावना है । दुग्ध एक ऐसा उत्पाद है जिसकी मांग निरन्तर बनी रहती है । इस डेरी उद्योग को बढ़ावा देने से हमारे नौजवानों एवं ग्रामीण महिलाओं को वर्ष पर्यन्त रोजगार प्राप्त होगा साथ ही पशुओं से प्राप्त गोबर बहुमूल्य जैविक खाद के रूप में प्रयोग करने से हमारी भूमियों की उर्वरा शक्ति भी बढ़ेगी जिससे फसल उत्पादन में भी सतत बढ़ोत्तरी होगी । पशुपालन में दाना-खली का महत्वपूर्ण योगदान होता है । इनके निर्माण की इकाइयाँ स्थापित की जा सकती है । लाखों लोगों के लिए सस्ता पोषक आहार उपलब्ध कराने के अतिरिक्त, यह ग्रामीण क्षेत्र में लाभकारी रोजगार पैदा करने में मदद करता है, विशेष रूप से भूमिहीन मजदूरों, छोटे तथा सीमांत किसानों तथा महिलाओं के लिए और इस प्रकार उनके परिवार की आय बढ़ाता है। सूखा, अकाल तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं जैसी प्रकृतिकी विभीषिकाओं के प्रति पशुधन सर्वोत्तम बीमा हैं। भारत के पास पशुधन तथा कुक्कुट के विशाल संसाधन हैं जो ग्रामीण लोगों की सामाजिक आर्थिक दशाएं सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# राज्य सहकारी संघ में बिहार सहकारिता विभाग के अधिकारियों का प्रशिक्षण

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा बिहार सहकारिता विभाग के विस्तार अधिकारियों का 12 साप्ताहिक पाठ्यक्रम दिनांक 16/10/23 से 06/01/23 तक आयोजित हो रहा हैं। जिसमें दिनांक 22/11/23 से 30/11/23 तक निर्धारित विषयों पर विख्याति व्याख्यानकर्ताओं द्वारा प्रति दिवस प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें सहकारी अधिकरण, अपील, पुनिरीक्षण, पुर्नविचार, (सहकारी अधिनियम व वैधानिक प्रावधान) पर श्री श्रीकुमार जोशी से.नि. संयुक्तध आयुक्त, सहकारिता, मार्केटिंग मैंनेजमेंट पर प्रशिक्षण, श्रीमति सृष्टि उमेकर, मार्केटिंग स्पीलकर, आयकर जी.एस.टी. इनकम टेक्स् विषयों पर श्री अंशुल अग्रवाल, चार्डर्ट अकांउटेंट, एडवांस एम. एस. एक्सेल पर श्री आंनद पराडकर, अतिथि कम्यूटर व्याख्याता, सहकारी साख एवं बैंकिंग विषय पर श्री आर.पी. हजारी, से.नि. प्रबंधक एवं प्राचार्य, अपेक्स बैंक, बैंकिंग लाइसेंस पॉलिसी ऑफ रिर्जव बैंक ऑफ इण्डिया विषयों पर डॉ आर. के. गंगेले, विशिष्ट अधिकारी अपेक्स बैंक, फाइनेंस सी.एल. मैनेजमेंट कास्ट एकांउटिंग विषयों पर डॉ अतुल दुबे प्रोफेसर, बी.एस.एस.आई.एस कॉलेज भोपाल एवं सहकारिता पर श्री पी.के. एस. परिहार, से.नि. प्रबंधक अपेक्सक बैंक तथा प्रभावी व्यक्तित्व विकास एवं संप्रेषण कला पर श्रीमति रश्मि गोलीया मोटीवेशनल स्पी कर, सायबर क्राइम विषय पर श्री प्रदीप मिश्रा सायबर एक्सपर्ट तथा असाख सहकारी समितियों के संबंध मे श्री अविनाश सिंह से.नि. वरिष्ठर सहकारी निरीक्षक द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस सत्र का समन्वय सेवा निवृत्त प्राचार्य श्री ए. के. जोशी द्वारा सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

# वनोपज सहकारी समिति के लिए प्रशिक्षण का आयोजन

छतरपुर (नौगांव)। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र नौगावं द्वारा दिनांक 21.11.2023 को प्राथमिक बनोपज सहकारी समिति मर्यादित देवेन्द्र नगर जिला पन्ना एवं प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति मर्यादित देवगांव विकास खंड अजयगढ़ जिला पन्ना में एक- एक दिवसीय सहकारी शिक्षा प्रशिक्षण वर्ग शिविर आयोजित किया गया। जिसमें सहकारी समितियों हेतु लेखांकन, संचालक मण्डल के अधिकार एवं कर्तव्य, नवीन सहकारी समिति का गठन प्रक्रिया एवं सहकारी आन्दोलन का विकास में अहम भूमिका निभा चुकी सहकारी नियोजन समिति

सरैया कमेटी, अखिल भारतीय साख सर्वेक्षण कमेटी , सहकारी साख कमेटी, सहकारी विपणन कमेटी, सहकारिता पर मिर्धा कमेटी, अखिल भारतीय ग्रामीण साख समीक्षा कमेटी शिवरामन कमेटी, कृषि साख पुनरीक्षण कमेटी, नरसिम्हन कमेटी, वैधनाथन कमेंटी स्वामीनाथन कमेटी का इतिहास एवं भारतीय सहकारी आन्दोलन की आधुनिक प्रवृत्तियां और सुझाव, सहकारिता का सिद्धांत पर विस्तृत चर्चा के साथ प्रशिक्षण शिविर जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक श्री बाबूलाल कुशवाहा द्वारा प्रदान किया गया। जिसमें समिति प्रबंधक श्री संत कुमार बागरी फड़ मुंशी श्री रंजीत सिंह यादव सदस्य श्री लोकेन्द्र यादव समिति देवगांव के प्रशिक्षण में समिति प्रबंधक श्री बिन्दा अहिरवार फड़ मुंशी श्रीमती गेंदा रानी सदस्य श्री कमलू कोरी इत्यादि वनोपज सदस्य उपस्थित रहें।

# भरौली मत्स्य समिति में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

जबलपुर। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, जबलपुर के द्वारा दिनाँक 21/11/2023 को जिला उमरिया के अंतर्गत ग्राम भरौली मत्स्य सहकारी समिति मर्यादित में एक दिवसीय

कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमें मत्स्य सहकारी समिति की जानकारी जैसे मछली पकड़ने के उपकरण, मछली के बीज और चारे की खरीद, सहकारी समिति संचालक मण्डल के अधिकार एवं कर्तव्य, समिति की बैठकों और सम्मेलन बुलाने की जानकारी एवं सहकारिता के सामाजिक सरोकार जैसे विषयों पर जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक श्री अखलेश उपाध्याय द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित कर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रबंधक, सचिव, कम्प्यूटर ऑपरेटर, भृत्य एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहें।

# दुग्ध समिति बेटमा खुर्द में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

**इंदौर।** मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, इंदौर द्वारा दिनांक 23/11/2023 को ग्राम बेटमा खुर्द जिला इंदौर में दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति में एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। जिसमें पशु-पालन, पशु खाद्य, सहकारी समितियों का गठन, सहकारिता के सिद्धांत, दुध संधारण विधियां, संघ के माध्यम से दूध के अधिक लाभदायी विक्रय, विपणन हेतु सुविधायें उपलब्ध कराना। पशु नस्ल सुधार, नस्ल संरक्षण तथा पशु स्वास्थ्य सुधार हेतु डेयरी विकास तथा पशु पालन से सम्बंधित सभी आवश्यक कार्यक्रम की जानकारी, दुधारू पशुओं के लिए संतुलित पशु आहार एवं हरे चारे के उत्पादन में वृद्धि हेतु उपयुक्त कार्यवाही करना, दुग्ध उत्पादकों और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा, रोजगार, नई प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना के लिए उपयुक्त वातावरण तैयार करने हेतू जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक श्री राहुल श्रीवास द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। दुग्ध समिति बेटमा खुर्द के सचिव श्री गोपाल जी द्वारा सदस्यों की उपस्थिति हेतु आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया।


राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का संगठन)
**NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL EXTENSION MANAGEMENT**
(An Organization of Ministry of Agriculture and Farmers Welfare Govt. of India)

**Nodal Training Institute (NTI)**
**मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्या. भोपाल**
**(M.P. State Cooperative Union Ltd. Bhopal)**
**E-8/77 Trilanga Road, Shahpura Bhopal -462039**

## Diploma in Agricultural Extension Services for Input Dealers (DAESI)
## डिप्लोमा इन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (देसी)
## "इनपुट डीलरों के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा" (देसी)

**शीघ्र आयें प्रवेश पायें**

**उद्देश्य :** इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रैक्टिसिंग एग्रीकल्चरल इनपुट्स डीलर्स को पैरा–एक्सटेंशन प्रोफेशनल्स में बदलना है। जिससे एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन सिस्टम को मजबूत किया जा सके। इससे इनपुट डीलर्स को किसानों की बेहतर सेवा करने में मदद मिलेगी जिससे :–

- इनपुट के कुशल संचालन में इनपुट डीलरों की क्षमता का निर्माण।
- कृषि आदानों के विनियमन को नियंत्रित करने वाले कानूनों के बारे में ज्ञान प्रदान करना।
- किसानों के लिए इनपुट डीलरों को ग्रामीण स्तर पर कृषि संबंधी जानकारी का एक प्रभावी स्त्रोत (वन स्टॉप शॉप) बनाना।

### एग्रीकल्चर में डिप्लोमा कोर्स क्यों करें?

- एग्रीकल्चरल डिप्लोमा एग्रीकल्चर या जैविक प्रक्रिया से संबंधित है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य तकनीकी स्तर पर मानव संसाधन का विकास कर एग्रीकल्चर उद्योग की प्रगति करना है।
- इस कोर्स में किसी भी एग्रीकल्चर उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों के कौशल को बढ़ाया जाता है।
- एग्रीकल्चर में डिप्लोमा कोर्स के साथ छात्र 10वीं के बाद से ही अपने प्रारंभिक करियर की शुरुआत कर सकते हैं।
- इस कोर्स के जरिए एग्रीकल्चर उद्योग में आवश्यक कौशल सीखने से अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पादों का उत्पादन करने में मदद मिलेगी क्योंकि गुणवत्ता वाले उत्पादों की मांग अधिक है।
- कृषि डिप्लोमा कोर्स छात्रों के सामने करियर के विभिन्न अवसर खोलता है। बड़ी–बड़ी नामी कम्पनियां जैसे–ITC, Britannia, Godrej आदि डिप्लोमा छात्रों को इंटर्नशिप भी ऑफर करती हैं।
- ग्रामीण रोजगारोन्मुखी व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिये ग्रामीण स्तर पर बीज, खाद, कीटनाशक या दवाई की दुकान के लाइसेंस की आवश्यकता होती है। वर्तमान में लाइसेंस लेने के लिए युवक–युवतियों को परेशानी न हो इसके लिए राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल, आत्मा एवं म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्या. भोपाल के सहयोग से देसी कोर्स की शुरूआत की गयी है।

### इन विषयों पर मिलेगा प्रशिक्षण :–

**सैद्धांतिक प्रशिक्षण के अंतर्गतः–**

| क्र | विषय |
|---|---|
| 1. | मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन। |
| 2 | वर्षा आधारित खेती। |
| 3. | बीज एवं बीज उत्पादन। |
| 4 | सिंचाई तकनीक एवं उनका प्रबंधन। |
| 5 | खरपतवार प्रबंधन। |
| 6 | कृषि उपकरण और मशीनरी की जानकारी। |
| 7 | कृषि में कीट एवं रोग नियंत्रण। |
| 8 | प्रमुख स्थानीय फसलों की फसल उत्पादन तकनीक। |
| 9 | कृषि आदानों से संबंधित अधिनियम, नियम एवं विनियम। |
| 10 | कृषि क्षेत्र से संबंधित शासन की विभिन्न योजनाएं एवं कृषि प्रसार तकनीक। |
| 11 | विस्तार दृष्टिकोण और तरीके। |
| 12 | प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना। |
| 13 | फसल बीमा योजना। |
| 14 | बीज, कीट व मण्डी अधिनियम। |
| 15 | उर्वरक अधिनियम। |

**व्यावहारिक प्रशिक्षण के अंतर्गतः–** व्यावहारिक प्रशिक्षण वर्ग के अंतर्गत कृषि से संबंधित संस्थान जैसे – कृषि विज्ञान केन्द्र, मृदा जांच प्रयोगशाला, कृषि महाविद्यालय/ कृषि विश्वविद्यालय, उद्यानकीय महाविद्यालय, क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान एवं प्रगतिशील किसानों के प्रक्षेत्र पर प्रशिक्षणार्थियों को एक्सपोजर विजिट कराया जावेगा।

### अवधि – 01 वर्ष

यह कार्यक्रम 48 सप्ताह की अवधि का है जिसमें 40 कक्षा सत्र एवं 08 फील्ड विजिट है।

यह कोर्स सप्ताह में एक दिन (सरकारी अवकाश के दिन) आयोजित किया जाता है।

### पाठ्यक्रम शुल्क–

देसी डी.डी. : "Diploma In Agriculture Extension Services For Input Dealers, Bhopal" के नाम की डी.डी. राशि रु. राशि रू. 20,000/–

**शैक्षणिक योग्यता**–10 वीं उत्तीर्ण से लेकर डिग्रीधारक तक।

**कुल सीट** – 40

### आवश्यक दस्तावेज

- 10 वी उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र
- 12वी उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र
- स्नातक उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र
- स्नातकोत्तर उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र
- जाति प्रमाण पत्र
- मूल निवासी प्रमाण पत्र
- आधार कार्ड
- दो पासपोर्ट साईज फोटो
- वैध लाईसेंस की प्रति (यदि आप कृषि इनपुट डीलर के रूप में काम कर रहे हैं)

**कार्यक्रम की अधिक जानकारी के लिए संपर्क सूत्र–**
07554034839, 9826821281, 9826876158, 8770995805
Website- www.mpscu.in, www.mpscuonline.in
Email : rajyasangh@yahoo.co.in

# 70वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के अवसर पर ध्वजारोहण

**भोपाल।** म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल में दिनांक 14 नवंबर 2023 को 70 वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर ध्वजारोहण प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन द्वारा किया गया एवं सहकारी गीत का गायन किया गया। संघ के प्रबंध संचालक श्री रंजन ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्राथमिक सहकारी समितियों का आर्थिक सुदृढ़ीकरण करने हेतु पैक्स को बहुउद्देश्यीय बनाने के लिए आदर्श उपविधियां, पैक्स के सशक्तिकरण हेतु उनका कम्प्यूटरीकरण, प्रत्येक पंचायत/ गांव में बहुउद्देशीय पैक्स, डेयरी, मत्स्य सहकारी समिति की स्थापना, खाघ सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बडी विकेन्द्रीकृत अन्न भण्डारण योजना, ई: सेवाओं की बेहतर पहुच के लिए कॉमन सेवा केन्द्र के रूप में पैक्स, पैक्स के द्वारा नए किसान उत्पादक संगठन का गठन, पैक्स की LPG डिस्ट्रीब्यूटरशिप के लिए पात्रता, पैक्स द्वारा संचालित बल्क कंज्यूमर पेट्रोल पम्प को रिटेल आउटलेट में बदलने की अनुमति, पैक्स को नये पेट्रोल / डीजल पंप डीलरशिप में प्राथमिकता, ग्रामीण स्तर पर जेनरिक दवाइयों की पहुंच के लिये जन औषधि केंद्र के रूप में पैक्स, उर्वरक वितरण केन्द्र के रूप में पैक्स, सहकारी समितियों के लिये आयकर कानून में राहत, राष्ट्रीय स्तर की तीन नई बहु राज्यीय सहकारी समितियाँ, सहकारी शिक्षण एवं प्रशिक्षण की नई योजना, नई राष्ट्रीय सहकारिता नीति एवं नया राष्ट्रीय सहकारी डाटाबेस, बहुराज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम 2023 इत्यादि पर सहकारिता में कार्य किया जा रहा है। ध्वजारोहण के अवसर पर महाप्रबंधक संजय कुमार सिंह, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल के प्राचार्य जी.पी. मांझी, से.नि. प्राचार्य ए. के. जोशी, लेखाधिकारी रेखा पिप्पल, कम्प्यूटर प्रशिक्षक मीनाक्षी बान, राज्य समन्वयक संतोष येड़े एवं अन्य अधिकारी / कर्मचारी उपस्थित रहें।

# सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर में सहकारी सप्ताह 2023 का शुभारंभ

**जबलपुर।** सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर में 70 वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह 2023 के शुभारंभ अवसर पर ध्वजारोहण प्राचार्य श्री व्ही. के. बर्वे द्वारा किया गया। ध्वजारोहण अवसर पर सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

# सेवा सहकारी संस्था मर्यादित, अटाहेड़ा में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

इंदौर। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, इंदौर द्वारा सेवा सहकारी संस्था मर्यादित, अटाहेड़ा, ज़िला-इंदौर में दिनाँक 22/11/2023 को एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया। जिसमे . पैक्सों को बहु-उद्देशीय बनाने के लिए आदर्श उपविधियां, पैक्स के सशक्तिकरण हेतु उनका कम्प्यूटरीकरण, प्रत्येक पंचायत में बहुउद्देशीय पैक्स, डेयरी, मत्स्य सहकारी समिति की स्थापना, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी केंद्रीयकृत अन्न भण्डारण योजना, . ई-सेवाओं की बेहतर पहुंच के लिए कॉमन सेवा केन्द्र (सीएससी) के रूप में पैक्स को विकसित करना, किसान उत्पादक संगठन (FPOs) का गठन, पैक्स की LPG डिस्ट्रीब्यूटरशिप के लिए पात्रता, पैक्स द्वारा संचालित बल्कय कंज्यूमर पेट्रोल पम्प के रिटेल आउटलेट में बदलने की अनुमति, सहकारिता के सिद्धांत समझाए गए एवं सदस्यों के कर्तव्य एवं दायित्वों, पैक्स के नये पेट्रोल पंप /डीजल पंप मे डीलरशिप मे प्राथमिकता, ग्रामीण स्तर पर जेनरिक जन औषधि केंद्र के रूप में पैक्स , उर्वरक वितरण केंद्र के रूप में पैक्स जैसे विषयों पर जानकारी जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक श्री सुयश शर्मा द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण मे समिति प्रबंधक श्री गोपाल सिंह यादव, सहायक प्रबंधक श्री सुमेर सिंह यादव, कम्प्यूटर ऑपरेटर श्री विकास यादव, खाद इंचार्ज श्री शैलेन्द्र यादव, भृत्य श्री दौलत सिंह चौधरी, कृषक बंधु एवं सम्माननीय सदस्य उपस्थित रहे।


म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित
भोपाल द्वारा संचालित
(म.प्र. शासन सहकारिता विभाग द्वारा अनुमोदित)

सहकारी संस्थाओं के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु
सहकारी प्रबंध में उच्चतर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
Higher Diploma in Cooperative Management (HDCM)

योग्यता: स्नातक उत्तीर्ण | अवधि: 20 सप्ताह | कुल फीस: 20,200/-

ऑनलाइन आवेदन/प्रवेश हेतु राज्य संघ के पोर्टल
www.mpscuonline.in पर विजिट करें

शीघ्र आयें-प्रवेश पायें माध्यम ऑनलाईन

सम्पर्क

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल
ई 8/77, शाहपुरा, त्रिलंगा, भोपाल, फोन : 0755-2926160, 2926159
मोबा. : 8770988938, 9826876158, .9893281971,
Website : www.mpscu.in, Portal : www.mpscuonline.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, इंदौर
किला मैदान, इंदौर (म.प्र.)452006, फोन : 0731-2410908
मोबा. : 9926451862, 9755343053, 9131393234
E-mail : ctcindore@rediffmail.com

सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, जबलपुर
उद्योग भवन के सामने, आकाशवाणी, कटंगा रोड, जबलपुर (म.प्र.)-482001
मोबा. : 9424782856, 8770152341, 9691419585
E-mail : ctcjabalpur@gmail.com

सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, नौगांव
जिला छतरपुर (म.प्र.)-471201
मोबा : 9424782856, 9755844511, 9329590112
E-mail : ctcnowgong@gmail.com


म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक गणेश प्रसाद मांझी द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सहकारी मुद्रणालय परिमित, भोपाल से मुद्रित एवं ई-8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : गणेश प्रसाद मांझी
डॉक पंजीयन क्रमांक : म.प्र./भोपाल/357/2021-23 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2926159, 2926160, इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।